

गणतंत्र दिवस
रविवार, जनवरी 26, 2025
स्थान : परमाणु ऊर्जा विभाग सचिवालय
संबोधन
डॉ.ए.के.मोहान्ती
सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग एवं अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग

प्रिय साथियो, देवियो और सज्जनो,
नमस्कार।

भारत के 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में आप सभी का हार्दिक स्वागत है। आज ही के दिन सन 1950 में हमारे संविधान को अंगीकार किया गया था और प्रतिवर्ष हम इस दिन को एक उत्सव के रूप में मनाते आये हैं। हमारा संविधान मात्र एक कानूनी दस्तावेज ही नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में हमारे सामूहिक प्रयासों को आकार देने के लिए न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे का मार्गदर्शक भी है। यह दिन हमें गर्व की अनुभूति के साथ-साथ आत्म चिंतन का एक अवसर भी देता है। इस अवसर पर हमें डॉ. बी. आर. अंबेडकर के दूरदर्शी व्यक्ति त्व को भी याद करने का मौका मिलता है। बाबा साहेब अंबेडकर ने हमारे देश के कई विद्वानों के साथ मिलकर एक ऐसा दस्तावेज तैयार किया, जो आज हमारी शासन प्रणाली का मार्गदर्शन करता है और हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है।

आज, जब हम तिरंगे के नीचे खड़े हैं, हमें, अपने संविधान में निहित मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लेते हुए यह सुनिश्चति करना चाहिए कि विविधता में एकता को प्रोत्साहन मिले, शांति को बढ़ावा मिले और प्रत्येक नागरिक, चाहे वह किसी भी जाति, पंथ या धर्म का हो, स्वतंत्रता और समानता का आनंद उठा सके।

इस वर्ष हमारे गणतंत्र दिवस समारोह में प्रदर्शित होने वाली झांकियों का विषय, "स्वर्णिम भारत - विरासत और विकास" है | इस अवसर पर आज मुझे पिछले एक वर्ष में अपने विभाग की उपलब्धियों को याद करते हुए अत्यंत हर्ष और गर्व महसूस हो रहा है।

भारतीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लिए वर्ष 2024 कर्मठता और उपलब्धियों का वर्ष रहा है। हमारी उपलब्धियाँ और पहल, सरकार की नई नीतिगत घोषणाओं में भी प्रतिबिंबित हुई हैं। ये पहल वैश्विक जलवायु परिवर्तन संबंधी चिंताओं को दूर करने के भारत के संकल्प को उजागर करती है और हमारी ऊर्जा सुरक्षा और Net-zero लक्ष्यों के लिए परमाणु ऊर्जा के बढ़ते महत्व को भी प्रमाणित करती हैं। जैसा कि आप जानते हैं, वित्त

वर्ष 2024-25 के नियमित बजट ने स्वदेशी भारी पानी-आधारित Bharat Small Reactor पर काम करने के लिए निजी भागीदारों के साथ साझेदारी करने, स्वदेशी सामान्य जल-आधारित Bharat Small Modular Reactors तथा High temperature gas cooled reactors का उपयोग करके हाइड्रोजन उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकियों हेतु अनुसंधान एवं विकास को आगे बढ़ाने के लिए मंच तैयार किया है। इस दिशा में, एनपीसीआईएल ने हाल ही में, भारत स्माल (लघु) रिएक्टर के वित्तपोषण और निर्माण के लिए एक अनुरोध प्रस्ताव जारी कर भारतीय उद्योगों को आमंत्रित किया है। यह रिएक्टर वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्र के लिए एक कैप्टिव पावर प्लांट के रूप में कार्य करेगा और इसे एनपीसीआईएल द्वारा प्रचालित किया जाएगा। मुझे विश्वास है कि परमाणु क्षेत्र से जुड़े हम सभी के लिए यह एक रोमांचक समय होने वाला है। हमारे परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के इस ऐतिहासिक अवसर को साकार करने के लिए, अपनी उपलब्धियों से प्रेरणा

लेकर, आज हमें अपने आपको गतिशील करने की आवश्यकता है ताकि हम अलग-अलग क्षेत्रों में बृहद स्तर पर योगदान देने के लिए स्वयं को तैयार कर सकें।

1. एएमडी ने अपने निरंतर अन्वेषण प्रयासों से पिछले वर्ष के दौरान आंध्र प्रदेश, झारखंड और राजस्थान राज्यों में कुल 12,478 टन In-situ यूरेनियम ऑक्साइड संसाधनों को बढ़ाया है। देश का कुल In-situ यूरेनियम ऑक्साइड संसाधन बढ़कर 4 लाख 28 हजार 300 टन और Beach Sand Mineral resources बढ़कर 1,309 मिलियन टन हो गया है जिसमें 13.15 मिलियन टन मोनाजाइट शामिल है।
2. इस अवधि के दौरान, राजस्थान के कठोर चट्टानी इलाकों में 74,900 टन In-situ Rare earth oxide का पता लगाया गया है और देश में पहली बार कर्नाटक के पेगमाटाइट (कठोर चट्टान) इलाके में G-2 श्रेणी में 1,800 टन लिथियम ऑक्साइड निर्धारित किया गया है।
3. भारी पानी बोर्ड ने हमारे PHWRs के संचालन की वार्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए न्यूक्लियर ग्रेड भारी पानी का उत्पादन जारी रखा। इस वर्ष HWB ने RAPS-7 को चालू करने के लिए, भारी पानी की प्रारंभिक जरूरत को भी पूरा किया है। हाल ही में, Tuticorin में न्यूक्लियर ग्रेड solvents के उत्पादन के लिए एक नई फेसेलिटी की शुरुआत हुई है और इस फेसेलिटी का उपयोग NFC, IGCAR और NRB को इन solvents की आपूर्ति करने के लिए किया जा रहा है। भारी पानी बोर्ड ने non-nuclear applications के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, जापान आदि को भारी पानी का निर्यात भी जारी रखा है और अर्जेटीना के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लिए भारी पानी की आपूर्ति हेतु उनके साथ एक समझौता भी किया है।
4. नव निर्मित 700 मेगावाट PHWR की श्रृंखला में, KAPP-4 ने वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ कर दिया है, RAPP-7 ने first criticality प्राप्त कर ली है और RAPP-8 के लिए PHT Hydro Test पूरा हो चुका है।
5. NPCIL के ऑपरेटिंग रिएक्टरों के fleet ने पिछले वर्ष के दौरान संचयी रूप से 48,823 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया है और 4 अवसरों पर एक वर्ष से अधिक निरंतर प्रचालन की उपलब्धि अर्जित की है। NPCIL ने अपने सभी रिएक्टरों के प्रचालन की शुरुआत से अब तक, cumulative safe operation के 629 रिएक्टर वर्षों की उपलब्धि अर्जित की है।
6. BARC ने 540 MWe PHWR में calandria tubes को Rolled Joint से अलग करने के लिए एक प्रणाली, CTRJD-540, विकसित की है। TAPS 3 एवं 4 में calandria tubes के निर्माण एवं प्रतिस्थापन के लिए इस तकनीक को NPCIL को हस्तांतरित कर दिया गया है।
7. NPCIL और NTPC ने देश में परमाणु ऊर्जा सुविधाएं विकसित करने के लिए एक supplementary Joint Venture agreement पर हस्ताक्षर किए हैं। अश्विनी नाम का यह Joint Venture, परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 (2015 में संशोधित) के मौजूदा कानूनी ढांचे के दायरे में कार्य करेगा और माही-बांसवाड़ा राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना के 4, 700 MW PHWRs के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण, स्वामित्व और प्रचालन करेगा। NPCIL ने परमाणु सहयोग के लिए Emirates Nuclear Energy Corporation (ENEC), UAE के साथ एक MoU पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

जब हम कृषि, खाद्य-प्रसंस्करण और संरक्षण, जल और शहरी अपशिष्ट प्रबंधन आदि क्षेत्रों में radiation technology के सामाजिक अनुप्रयोग में विभाग के योगदान की बात करते हैं, तो यह न केवल निजी क्षेत्र के

औद्योगिक और ग्रामीण लाइसेंसधारियों में, बल्कि सरकार के अन्य विभागों और मंत्रालयों में भी लोकप्रिय हो रहा है। परमाणु ऊर्जा विभाग की सामाजिक प्रौद्योगिकियों का निरंतर स्थानांतरण हो रहा है, और पिछले 10 वर्षों में, कुल 218 प्रौद्योगिकियाँ 849 लाइसेंसधारियों को हस्तांतरित की गई हैं। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने विगत वर्ष में, परमाणु ऊर्जा विभाग की प्रौद्योगिकियों पर आधारित 50 multi-product irradiation units के लिए Expression-of-Interest जारी किया है। इन इकाइयों का उद्देश्य, प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के अन्तर्गत Integrated cold chain और Value Addition Infrastructure स्थापित करना है।

1. BARC ने किसानों द्वारा व्यावसायिक खेती के लिए 8 नई फसल किस्में (5 अनाज और 3 तिलहन) विकसित और जारी की हैं।
2. निजी और राज्य सरकारी क्षेत्रों में gamma radiation processing facilities स्थापित करने के लिए BRIT ने 9 MoUs पर हस्ताक्षर किए हैं और ऐसी 2 facilities की कमीशनिंग का कार्य प्रगत चरण में है। कुल ऐसी 35 facilities पहले से ही भारत में प्रचालित हैं जो healthcare products के sterilization और आम, मसाले, प्याज एवं हर्बल कृषि उत्पादों के hygienization के लिए घरेलू और निर्यात आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। BRIT इन facilities के लिए Co-60 सोर्स की आपूर्ति और संयंत्र प्रचालन मानकों की स्थापना करने के लिए सहायता प्रदान करता है।

DAE स्वास्थ्य देखभाल की दिशा में, रेडियोफार्मास्यूटिकल्स के स्वदेशी उत्पादन और आपूर्ति तथा देश भर में मानकीकृत किफायती कैंसर देखभाल प्रदान करने के क्षेत्रों में निरंतर, निर्बाध आगे बढ़ रहा है। इस मिशन में, TMC, BRIT, VECC, HWB, BARC और IGCAR नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। परंतु आने वाले समय में, देश में इन दवाइयों की बढ़ती हुई माँग की आपूर्ति करने के लिए, इन इकाइयों के लिए वर्ष-दर-वर्ष अपने प्रदर्शन को और बेहतर करने की चुनौती निरंतर बनी हुई है। वर्ष 2024 में, पञ्चवि इकाइयों ने सामूहिक रूप से निम्नलिखित तरीकों से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

1. नेशनल कैंसर ग्रिड (NCG), अब देश भर में, टाटा मेमोरियल सेंटर के नेतृत्व में फैले 362 सदस्यों वाला नेटवर्क बन गया है और इस ग्रिड से देश के लगभग 60% कैंसर पीड़ितों का उपचार संभव हुआ है। नेशनल कैंसर ग्रिड (NCG) ने WHO के South-East Asia Region में SEACanGrid देशों के नेटवर्क / कैंसर केंद्रों की स्थापना में सहायता की है - जिसका समन्वय WHO South-East Asia Regional Office द्वारा किया जा रहा है। इसका उद्देश्य दक्षिण पूर्व एशिया में कैंसर नियंत्रण में सुधार के लिए नेशनल कैंसर ग्रिड द्वारा विकसित Best Practices को अन्य दक्षिण-पूर्वी एशिया क्षेत्र के देशों के साथ साझा करना है।
2. टीएमसी के महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र, वाराणसी में ISHA project के अंतर्गत, वाराणसी जिले में लगभग 1,35,000 ग्रामीण और शहरी महिलाओं की oral, breast और cervical कैंसर की जांच पूरी की जा चुकी है। Department of Preventive Medicine ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में oral, breast and और cervical कैंसर जैसे सामान्य कैंसर का पता लगाने के लिए घर-घर जाकर परामर्श और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया है। इसके अतिरिक्त, 900 से अधिक सहायक नर्सों, दाइयों, मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और 1,60,000 आम लोगों को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों, oral, breast और cervical कैंसर का शीघ्र पता लगाने के बारे में शिक्षित किया गया है।

3. BARC ने लीवर कैंसर के उपचार के लिए उच्च स्तर के अपशिष्ट से ^{90}Sr - ^{90}Y को कुशलता से पृथक करने के लिए एक rigidified diamide ligand, Oxa-bicyclo-dicarbox-amide (OBDA) विकसित किया है।
4. भारी पानी बोर्ड ने Deuterium Depleted Water के औद्योगिक पैमाने पर उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया है और इसके लिए HWP-कोटा में एक सुविधा चालू की गई है।

अब, मैं विज्ञान और प्रगत प्रौद्योगिकियों में मूलभूत और निदेशित अनुसंधान में हमारी अविचल प्राथमिकता पर बात करना चाहूंगा जो हमारे देश की प्रगति और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

1. ईसीआईएल ने Astra Missile VL-SRSAM के लिए हथियार नियंत्रण प्रणाली विकसित की है। खतरे की स्थिति के परिदृश्य का मूल्यांकन करने, संसाधनों की योजना बनाने, मिसाइल प्रक्षेपण को निष्पादित करने और मारक मूल्यांकन करने के लिए इसे मल्टी-फंक्शनल रडार, शिप डेटा लिंक, लॉन्चर, मिसाइल और शिप कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम (सीएमएस) के साथ जोड़ा गया है।
2. ईसीआईएल ने LCA TEJAS Fighters के लिए स्वदेशी Slotted Waveguide Multimode Radar Antenna विकसित किया है, जिसका उड़ान परीक्षण एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) में चल रहा है।
3. ईसीआईएल द्वारा बीएआरसी के सहयोग से विकसित 0.6M Airborne SATCOM Terminal – Extended Temperature (AST-ET), की आपूर्ति देहरादून स्थित डीआरडीओ की रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला में की गयी है। यह वर्तमान में उपयोग कर्ता स्थान पर परीक्षण के अधीन है।
4. आईपीआर ने fusion (संलयन) प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में प्रगति की है और रेयर-अर्थ बेरियम कॉपर ऑक्साइड टेप्स का उपयोग कर High Temperature Superconductor solenoid magnet (उच्च तापमान सुपरकंडक्टर सोलनॉइड चुंबक) का निर्माण किया है।
5. बीएआरसी में APSARA-U रिएक्टर में बीम ट्यूब न्यूट्रॉन इमेजिंग सुविधा का नियमित उपयोग शुरू हो गया है और डिटेक्टरों के परीक्षण और अन्य अनुसंधान कार्यों के लिए इसका कुशलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है।
6. BARC ने अटल इनक्यूबेशन सेंटर में अपना पहला इनक्यूबेशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और इनक्यूबेटी ने Caesium Iodide-Thallium single crystal (सीज़ियम आयोडाइड-थैलियम सिंगल क्रिस्टल) आधारित हैंडहेल्ड गामा स्पेक्ट्रोमीटर का विपणन शुरू कर दिया है। IGCAR के "AIC-IGCAR-FAST फाउंडेशन" नामक अटल इनक्यूबेशन सेंटर को कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत सेक्शन-8 कंपनी के रूप में पंजीकृत किया गया है।
7. भारत में टाइटेनियम स्लैग संयंत्र की स्थापना के लिए IREL द्वारा कजाकिस्तान के M/s UKTMP-JSC के साथ एक संयुक्त उद्यम समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
8. BARC में, स्वदेशी रूप से विकसित उच्च शुद्धता वाले प्राइम ग्रेड सिलिकॉन वेफर्स का उपयोग कर पहली बार Pixel type Radiation Detectors का निर्माण किया गया है। इन डिटेक्टरों का परीक्षण टीआईएफआर में किया गया और इन्होंने तकनीकी अपेक्षाओं को पूरा किया है।
9. आरआरकेट ने पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण त्वरण के उच्च परिशुद्धता माप के लिए एक portable Cold atom-based quantum sensor (Gravimeter) विकसित किया है। अपनी पोर्टेबिलिटी के

कारण, पृथ्वी में ड्रिलिंग किए बिना पृथ्वी की सतह के नीचे खनिज, तेल और गैस की खोज के क्षेत्र में इस उपकरण के उपयोग की प्रबल संभावना है।

10. एनएफसी ने पहली बार Indian Molten Salt Breeder Reactor test loop के लिए हेस्टालॉय (एक Ni आधारित मिश्रधातु) ट्यूब विकसित की है और ISRO के लिए मोनेल 400 ट्यूब नामक निकेल और कॉपर मिश्र धातु ट्यूबों का भी स्वदेशी रूप से सफलतापूर्वक विकास और निर्माण किया है।
11. BRIT ने भारत के पहले टंगस्टन-शील्ड, इरिडियम-192-आधारित औद्योगिक रेडियोग्राफी उपकरण "(ROTEX-I)" को डिजाइन और विकसित किया है, जो कॉम्पैक्ट, हल्का और पोर्टेबल है। यह उपकरण रसायन, ऊर्जा, रक्षा, नाभिकीय, एयरोस्पेस और विशेष रूप से अविनाशी परीक्षण (एनडीटी) उद्योगों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उपयोगी होगा, और भारत की तकनीकी और आर्थिक प्रगति पर व्यापक प्रभाव सुनिश्चित करेगा। विश्वसनीय उपलब्धता और बेहतर सेवाक्षमता वाला यह उपकरण एक संभावित आयात विकल्प है जो यह सुनिश्चित करेगा कि भारतीय उद्योगों को "आत्मनिर्भर भारत" के तहत उच्च गुणवत्ता वाली प्रौद्योगिकियाँ उपलब्ध हों।
12. टीआईएफआर ने प्रगत प्रौद्योगिकियों में महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की हैं, जैसे 6-qubit superconducting quantum processor का एंड-टू-एंड परीक्षण और Near Field Scanning Terahertz Microscope का विकास। TIFR ने उच्च तापमान वाले Bismuth Strontium Calcium Copper Oxide superconductor BSCCO का उपयोग करके एक सुपरकंडक्टिंग डिवाइस का प्रदर्शन भी किया है, जो semiconductor diode के व्यवहार का अनुकरण करता है। इस device में सुपरकंडक्टर्स का उपयोग कर, बहुत कम ऊर्जा उत्सर्जित करने वाले सर्किट के विकास की क्षमता है और इसका उपयोग quantum computing, ultra-high sensitivity detector circuits जैसी प्रौद्योगिकियों में हो सकता है।
13. IMSC ने कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान, गणित, सैद्धांतिक भौतिकी, सैद्धांतिक कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्रों में योगदान देना जारी रखा है और पिछले वर्ष राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रकाशनों में 179 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। इसी अवधि के दौरान, CEBS संकाय सदस्यों ने 55 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं जिनमें Peer Review Journal (पीयर रिव्यू जर्नल), पुस्तक अध्याय और पुस्तकें शामिल हैं।
14. भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर भौतिकी में मौलिक और व्यावहारिक अनुसंधान की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। पिछले वर्ष नाभिकीय भौतिकी, High Energy Particle Physics, String Theory, Condensed Matter Physics परीक्षण और Theory, Biological Physics, Cosmology, Statistical Physics आदि के क्षेत्र में peer reviewed अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 100 से अधिक शोध प्रकाशन प्रकाशित हुए हैं।
15. SINP में, भारत के पहले accelerator-based nuclear astrophysics centre, FRENA ने पहला Physics परिणाम तैयार करना शुरू कर दिया है और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर reputed peer-reviewed जर्नल में प्रकाशित किया गया है।

अब, मैं उन सम्मिलित प्रयासों पर बात करना चाहूंगा, जिनके माध्यम से परमाणु ऊर्जा विभाग मानव संसाधन विकास और क्षमता निर्माण की दिशा में कार्य कर रहा है और ये हमारी सभी गतिविधियों को जोड़ने वाले सामान्य सूत्र हैं।

1. DAE ने अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियों का उत्सव मनाने और भविष्य की योजनाओं को साझा करने के लिए प्लैटिनम जुबली समारोह के अन्तर्गत अक्टूबर, 2024 में NISER, भुवनेश्वर में inaugural conclave की मेजबानी की। इसमें समाज, युवा शोधकर्ताओं, उद्योगों, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लाभ के लिए DAE की कई प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया।
2. NIRF ने राष्ट्रीय स्तर पर HBNI को अनुसंधान संस्थान श्रेणी में 6वें स्थान पर, विश्वविद्यालय श्रेणी में 16वें स्थान पर और समग्र श्रेणी में 27वें स्थान पर रखा है। नेचर इंडेक्स 2024 ने HBNI को भौतिक विज्ञान में प्रकाशनों के संबंध में पहले स्थान पर और भारत के सभी संस्थानों के बीच समग्र प्रकाशनों के लिए दूसरे स्थान पर रखा है।
3. पिछले वर्ष के दौरान, TIFR ने 133 पीएचडी और 98 एमएससी डिग्रीयां प्रदान कीं।
4. महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र और होमी भाभा कैंसर अस्पताल, वाराणसी नए ऑफ-कैंपस सेंटर के रूप में होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान से संबद्ध हो गए। इसके साथ ही HBNI के अंतर्गत कुल 12 संस्थान हैं जिनमें दो ऑफ-कैंपस केंद्र और 10 सहयोगी संस्थान शामिल हैं।
5. HBNI ने रक्षा प्रौद्योगिकी संस्थान (DIAT), पुणे, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली (IITD), भारतीय उद्योग परिसंघ (CII), मुंबई, और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जम्मू के साथ पारस्परिक हित वाले क्षेत्रों में क्षमता निर्माण में विशेषज्ञता साझा करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
6. भारतीय छात्रों ने अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत ने गणित, जीव विज्ञान, भौतिकी, रसायन शास्त्र, खगोल शास्त्र और खगोल भौतिकी के विभिन्न ओलंपियाड में कुल 10 स्वर्ण, 15 रजत और 3 कांस्य पदक हासिल किए हैं।

जहां हमने अपने अधिदिष्ट क्षेत्रों में अपना फोकस सुदृढ़ करना जारी रखा है, DCSEM, DPS और GSO जैसे हमारे सेवा संगठनों ने विभाग के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती प्रदान करते हुए इसे विस्तारित करना जारी रखा है। DPS प्रापण प्रक्रिया में दक्षता, एकरूपता और गति को बेहतर बनाने के लिए क्रय एवं भंडार में कई महत्वपूर्ण बदलाव ला रहा है। मुंबई में AERB, DCSEM और BRIT में एक Common Material Management System लागू किया गया है और HWB में इसका कार्यान्वयन प्रगति पर है। DCSEM ने बहादुरगढ़ में GCNEP चरण II परियोजना का प्रमुख निर्माण कार्य पूरा कर लिया है।

जैसा कि हम देख सकते हैं, DAE के सामूहिक प्रयासों से विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ अर्जित हुई हैं और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि DAE परिवार को कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किए गए हैं। यह हमारे लिए बहुत प्रसन्नता की बात है और मैं अपनी यह प्रसन्नता आपके साथ साझा करना चाहता हूँ।

1. AMD को International Conference on Heavy Minerals and Lithium for Energy Security के मंच पर Rare Earths Association of India (REAI) और Indian School of Mines Alumni Association (ISMAA), कोलकाता चैप्टर द्वारा 'वर्ष के सर्वश्रेष्ठ भारी खनिज अन्वेषण' की श्रेणी में उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
2. ECIL को भोपाल में आयोजित 67th Annual IETE Convention में वर्ष 2024 के लिए Electronic Instruments and Instrumentation में निष्पादन के लिए IETE

Corporate Award से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता में ECIL के योगदान को दर्शाता है।

3. NISER में, School of Chemical Sciences के प्रोफेसर सी. गुणनाथन और School of Mathematical Sciences के डॉ. मानस रंजन साहू को वर्ष 2024 के लिए INSA Associate Fellowship से सम्मानित किया गया है। साथ ही, NISER के School of Physical Sciences की डॉ. सायंतनी भट्टाचार्य को INSA Young Associate से सम्मानित किया गया है।

जहां हमारे वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीविद् और इंजीनियर अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए कटिबद्ध हैं, वहीं AEES स्कूलों में पढ़ने वाले हमारे बच्चे भी हमें गौरवान्वित कर रहे हैं।

1. NCERT द्वारा आयोजित 51वीं राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 2024 में भाग लेने के लिए हमारे AEES स्कूलों से 6 मॉडलों का चयन किया गया था।
2. परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालयों के 12 छात्रों ने आर्यभट्ट गणित चैलेंज में शीर्ष 100 में रैंक हासिल की है।

प्रिय साथियो,

पिछले 7 दशकों में, हमने नाभिकीय ऊर्जा के सभी क्षेत्रों में क्षमताओं का निर्माण किया है। अब समय आ गया है कि हम अपनी व्यापक राष्ट्र-केंद्रित गतिविधियों को समेकित करें और उन्हें अधिक केंद्रित और कार्य-उन्मुख अधिदेशों में पुनर्गठित करें। इस दिशा में, हमारे विभाग ने 2047 के लिए एक विज्ञान दस्तावेज़ जारी किया है जो 'विकसित भारत' के राष्ट्रीय विज्ञान में योगदान देगा।

मैं, आपके द्वारा किए गए सभी प्रयासों के लिए आप सभी को धन्यवाद देना चाहता हूँ और आग्रह करता हूँ कि इस महान देश के नागरिक और हमारे विभाग की सफलताओं में भागीदार होने के नाते, हमारा यह कर्तव्य है कि हम इन नई प्रौद्योगिकियों (पहलों) का समर्थन करें और यह सुनिश्चित करें कि इनका उपयोग मानवता के हित के लिए जिम्मेदारी से किया जाए। आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे भारत का निर्माण करें जो न केवल आत्मनिर्भर हो, बल्कि दुनिया के लिए आशा और नवाचार का प्रतीक भी हो। मैं कामना करता हूँ कि यह तिरंगा इसी तरह लहराता रहे और हमारी क्षमता और प्रगति के प्रति साझा प्रतिबद्धता का स्मरण कराता रहे। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हमारी उपलब्धियाँ हमें बड़े स्वप्न देखने और शिखर पर पहुँचने के लिए प्रेरित करती रहें और हम विकसित भारत की अपनी राष्ट्रीय आकांक्षाओं पर खरे उतर सकें।

हमारे बहुत सारे सहकर्मी, हमारे कर्मचारियों और उनके परिवारों की संरक्षा, सुरक्षा और उनके स्वास्थ्य की देखभाल में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए, हम सभी के लिए एक सकारात्मक कार्य वातावरण का निर्माण करते हैं। मैं हमारी स्वास्थ्य सेवाओं, सुरक्षा, और प्रशासनिक विभागों से जुड़े हमारे सभी सहकर्मियों के समर्पण का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए हृदय से उनकी सराहना करना चाहता हूँ।

अंत में, मैं DAE के सभी सदस्यों और उनके परिवारजनों को अपनी शुभकामनाएं देता हूँ।

धन्यवाद,
जय हिंद।